Hindi Murli Quiz 21-07-2015

.

Q.1) **Match the following**

	Choice	Match
A	अटेन्शन रूपी घृत द्वारा	आत्मिक स्वरूप के सितारे की चमक को बढ़ाने वाले आकर्षण मूर्त भव!
B	जब बाप द्वारा, नॉलेज द्वारा आत्मिक स्वरूप का सितारा चमक गया तो	बुझ नहीं सकता, लेकिन चमक की परसेन्टेज कम और ज्यादा हो सकती है।
C	यह सितारा सदा चमकता हुआ सबको आकर्षित तब करेगा जब	रोज़ अमृतवेले अटेन्शन रूपी घृत डालते रहेंगे।
D	जैसे दीपक में घृत डालते हैं तो वह एकरस जलता है।	ऐसे सम्पूर्ण अटेन्शन देना अर्थात् बाप के सर्व गुण वा शक्तियों को स्वयं में धारण करना।
E	इसी अटेन्शन से	आकर्षण मूर्त बन जायेंगे।

Q.2) **सबसे बड़ा वन्डर कौन-सा है, जिसे तुम बच्चे ही जानते हो?**

- A. सर्व का सद्गति दाता बाप स्वयं आकर पढ़ाते हैं।
- B. भृकुटी के बीच चमकता है अजब सितारा- आत्मा|
- C. आने वाले नई दुनिया-सतयुग|

Q.3) **Match the following**

	Choice	Match
A	डॉक्टर लोग भी किताब पढ़ते हैं।	तुम हो मास्टर रूहानी सर्जन। तुमको सिखलाते हैं आत्मा को इन्जेक्शन कैसे लगाना है।
B	माया का आपोजीशन बहुत है इसलिए बाबा कहते हैं-	चार्ट रखो और सर्विस का ख्याल करो तो बहुत खुशी होगी।
C	कितनी भी अच्छी मुरली चलाते हैं	परन्तु योग है नहीं। बाप से सच्चा बनना भी बड़ा मुश्किल है।
D	अगर समझते हैं हम बहुत तीखे हैं तो	बाबा को याद कर चार्ट भेजें तो बाबा समझेंगे कहाँ तक सच है या झूठ?
E	अच्छा, बच्चों को समझाया -	सेल्समैन बनना है, अविनाशी ज्ञान रत्नों का।

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	बाबा पहले-पहले राय देते हैं कि देहली जो परिस्तान थी, फिर से इसे परिस्तान बनाना है।	देहली में सबको सन्देश देना चाहिए, एडवरटाइजमेंट बहुत अच्छी करनी है।
B	धन्धे में सारा दिन थोड़ेही रहना होता है।	ऊपर से सिर्फ देखभाल करनी होती है।
C	यह तो बेहद की सर्विस है। और सब हैं हद की सर्विस।	इस बेहद की सर्विस में कितनी विशालबुद्धि होनी चाहिए। हम विश्व पर जीत पाते हैं।
D	बाप बहुत प्यार से कहते हैं-मीठे बच्चों, विश्व की बादशाही तुम्हारे लिए है।	तुम विश्व के मालिक थे, भारत में तुमने अथाह सुख देखे।
E	पहले-पहले जिन्होंने अव्यभिचारी भक्ति शुरू की है	वही आकर ऊंच पद पाने का पुरूषार्थ करेंगे। बाबा कितनी अच्छी- अच्छी प्वाइंट्स समझाते हैं।

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	जो भी कार्य करते हो फ्राकदिली से करो।	कोई भी शुभ कार्य आपेही करना-यह बहुत अच्छा है। कहा भी जाता है आपेही करे सो देवता, कहने से करे वह मनुष्य।
B	पिछाड़ी में रिजल्ट निकलती है फिर जो बहुत मार्क्स से पास होते हैं उनको खुशी भी होती है।	पिछाड़ी में साक्षात्कार तो सबको होंगे ना, परन्तु उस समय कर क्या सकेंगे।
C	खराब चीज़ को आग में पवित्र बनाते हैं।	इनमें सब अपवित्र वस्तु पड़कर फिर अच्छी होकर निकलेगी।
	यह भी तुम जानते हो शास्त्रों में अनेक बातें लिख दी हैं, यज्ञ पर फिर	इसके लिए भी क्या-क्या कहानियां बैठ लिखी हैं। यज्ञ का वर्णन

D	दक्ष प्रजापिता का नाम दिखाया है। फिर रूद्र ज्ञान यज्ञ कहाँ गया।	कायदेसिर है नहीं।
E	पढ़ाई से बातचीत करने का अक्ल आ जाता है।	मैनर्स अच्छे हो जाते हैं। अनपढ़े तो जैसे भुट्टू होते हैं। कैसे बात करनी चाहिए, अक्ल नहीं। बड़े आदमी को हमेशा "आप" कह बात करनी होती है।

Q.6) बेहद की वैराग्यवृत्ति द्वारा _____ के बीज को प्रत्यक्ष करो।

- साधना
- sadhna
- saadhna
- sadhnaa
- sadhnaa
- sadana
- sadanaa
- saadana
- saadanaa

Q.7) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

A. ☐ सिर्फ 108 या 16108 की माला है।

B. ☐ शिव और रूद्र में बहुत फर्क है।

C. ☑ कृष्ण को सर्व का सद्गति दाता थोड़ेही कहेंगे।

D. ☐ आत्मा ही बूढ़ी, जवान वा छोटी-बड़ी होती है। आत्मा तो एक ही है।

E. ☑ एक ही रॉयल बड़ा दुकान हो, बड़े दुकान बड़े-बड़े शहरों में ही निकलते हैं। तुम्हारा सबसे बड़ा दुकान निकलना चाहिए केपीटल में।

Explanation: आत्मा तो बूढ़ी, जवान वा छोटी-बड़ी होती नहीं। आत्मा तो एक ही है। ऐसे नहीं कि सिर्फ 108 या 16108 की माला है। नहीं। जो भी मनुष्य मात्र हैं, सबकी माला है।

Q.8) इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -

A. ☐ भल पढ़ाई में ढीले भी हो जाएं परन्तु इसमें क्या तकलीफ है, कुछ भी नहीं। सभी आत्मायें भाई-भाई हैं।

B. ☑ कोई एक भी हल्की बी.के. समझाती है तो भी समझते हैं - शायद सब बी.के. ऐसी नहीं हैं |

C. ☐ बाप कहते हैं हिम्मते बच्चे मददे बापदादा। वह विनाशी धन तो कोई काम नहीं आयेगा। हमको तो अपनी अविनाशी कमाई करनी है, इसमें बहुतों का कल्याण होगा।

D. ☐ बच्चों को विचार सागर मंथन करना चाहिए कि कैसे सर्विस बढ़े। बड़ा दुकान निकालेंगे तो बड़े-बड़े आदमी आयेंगे। बड़े आदमी का आवाज़ झट फैलता है।

E. ☑ तुम बच्चों की रीस है रूद्र माला में पिरोने की। बुद्धि में है हम आत्माओं का भी झाड़ है।

Explanation: तुम बच्चों की रेस है ..... कोई एक भी हल्की बी.के. समझाती है तो समझते हैं - शायद सब बी.के. ही ऐसी हैं